पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से प्रान्तीय सिविल सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेंट की

लखनऊः 19 जनवरी, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में प्रान्तीय सिविल सेवा 2014 बैच के चयनित 41 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेंट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी की महानिदेशक सुश्री निवेदिता शुक्ला वर्मा, राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर सहित अकादमी के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आम आदमी तक अपनी पहुंच बनायें। अपना व्यक्तित्व ऐसा बनायें कि सबको लगे कि आप उनकी बात सुन रहे हैं। कार्यालय से निकलने से पहले अगले दिन क्या करना है इसका नोट तैयार करें। सुशासन के लिये शीघ्रता से काम निस्तारित करने की योजना बनायें। अपने अनुभव से स्वयं सीखें तथा उच्च अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों के अनुभव का लाभ उठायें तथा उनसे अच्छे संबंध बनाकर रखें। आम जनता से मिलने के लिये समय सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सबकी बात सुनने के बाद निष्पक्षता से अपनी अन्तरात्मा की आवाज के अनुरूप जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

श्री नाईक ने कहा कि अधिकारियों का दायित्व है कि जनप्रतिनिधियों का उचित सम्मान करें। उनके सुझाव को सामने रखते हुये अपने विवेक के अनुसार उचित निर्णय लें। समय पर काम करने की आदत डाले तथा तत्परता और पूरे मनोयोग से काम करें, तो स्वयं को भी समाधान मिलेगा। समयबद्ध कार्य-पद्धति को बढ़ावा दें तथा जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाये। उन्होंने कहा कि समाज में भ्रष्टाचार रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें।

श्री नाईक ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी जनता के हित के लिये अभिनव प्रयोग करें तथा आत्मावलोकन करें कि जनता के लिये उनके द्वारा किये गये कार्य से वे स्वयं कितने सन्तुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जिम्मेदारी को प्रमाणिकता से निपटायें, दूसरों के अच्छे कार्य की प्रशंसा करके उनका मनोबल बढ़ायें, किसी अधीनस्थ को सबके सामने नसीहत न करें तथा हर कार्य को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने जीवन से जुड़े पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने महालेखाकार कार्यालय में अपर डिविजन क्लर्क से नौकरी की शुरूआत की फिर वहां से त्यागपत्र देकर कम्पनी में मुख्य लेखाकार का दायित्व निभाया फिर कुछ दिनों बाद नौकरी छोड़कर मुम्बई बोरीवली से तीन बार विधायक रहे, फिर उत्तर मुम्बई लोकसभा से लगातार पांच बार सांसद हुए तथा 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई की सरकार में नियोजन, गृह तथा रेल राज्यमंत्री रहे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री बाजपेई की दोबारा सरकार बनने पर पांच साल तक पेट्रोलियम मंत्री रहे। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव के बारे में भी परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ विचार साझा किये।

अंजुम/ललित/राजभवन (23/23)